भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4278 का उत्तर

जौनपुर और महाराष्ट्र-गुजरात के बीच यात्रा करने वाले यात्री

4278. एडवोकेट प्रिया सरोज:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले और महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्यों के बीच प्रतिवर्ष यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या के आंकड़े हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन क्षेत्रों के बीच यात्रियों की संख्या के संबंध में, विशेषकर त्योहारों जैसे व्यस्त समय के दौरान, कोई आकलन या अध्ययन किया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने लगातार उच्च यात्री मांग को देखते हुए जौनपुर जिले और महाराष्ट्र और गुजरात के प्रमुख शहरों के बीच चलने वाली ट्रेनों की वर्तमान आवृत्ति की पर्याप्तता की समीक्षा की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या वर्तमान सेवाएं मांग को पर्याप्त रूप से पूरा करती हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार के पास नई रेलगाड़ियां शुरू करने या मौजूदा रेलगाड़ियों की आवृत्ति बढ़ाने के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): वर्तमान में, जौनपुर को 30 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों द्वारा सेवित किया जा रहा है, जिसमें जौनपुर-मुंबई खंड की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली 06 जोड़ी रेल गाड़ी

सेवाएं और जौनपुर-अहमदाबाद खंड की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली 02 जोड़ी रेल गाड़ी सेवाएं शामिल हैं। रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है। तदनुसार, ऐसी सीमाओं के आर-पार नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार रेल गाड़ियां शुरू की जाती हैं। इसके अलावा, यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता आदि के अध्यधीन नई रेल गाड़ी सेवाओं की शुरूआत करना और सेवाओं के फेरों में वृद्धि करना भारतीय रेल पर चलायमान प्रक्रियाएं हैं।

भारतीय रेल में रेलगाड़ियों की अधिभोगिता का स्वरूप पूरे वर्ष एकसमान नहीं रहता है और यह व्यस्त तथा गैर-व्यस्त अवधि के समय बदलता रहता है। व्यस्त समय के दौरान, विशेष रूप से लोकप्रिय मार्गों पर, रेलगाड़ियों की पूर्ण अधिभोगिता रहती है, जबकि गैर-व्यस्त अवधि के समय और कम लोकप्रिय मार्गों पर, रेलगाड़ियों की कम अधिभोगिता होती है। बहरहाल, यात्रियों की संख्या का राज्य-वार आंकड़ा नहीं रखा जाता है।

भारतीय रेल में चलने वाली रेलगाड़ियों के यातायात स्वरूप की नियमित आधार पर निगरानी की जाती है और अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए, परिचालनिक व्यवहार्यता के अध्यधीन मौजूदा रेलगाड़ियों के डिब्बों को बढ़ाया जाता है, विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाती हैं, नई रेलगाड़ियां शुरू की जाती हैं और मौजूदा रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाए जाते हैं।

साधारण और गैर-वातानुकूलित स्लीपर डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए बेहतर स्थान प्रदान करने के लिए, मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना से संबंधित मौजूदा नीति में 22 सवारी डिब्बों वाली रेलगाड़ी में 12 साधारण श्रेणी और स्लीपर श्रेणी के गैर-वातानुकूलित डिब्बे और 08 वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान है, जिससे सामान्य और गैर-वातानुकूलित स्लीपर डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान उपलब्ध होता है।

मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के अलावा, भारतीय रेल किफायती यात्रा के लिए अनारक्षित नॉन-एसी पैसेंजर गाड़ियां/एमईएमयू/ईएमयू आदि भी चलाती है।

वर्तमान में, रेल सेवाओं को चलाने के लिए लगभग 79,000 सवारी डिब्बों का उपयोग किया जा रहा है। इनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

श्रेणी	सवारी डिब्बों की संख्या
साधारण श्रेणी और गैर-वातानुकूलित शयनयान	56,000 (कुल का 70%)
वातानुकूलित सवारी डिब्बे	23,000
कुल	79,000

यात्रियों के विभिन्न वर्गों के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराने के लिए, मौजूदा रेलगाड़ियों में स्थायी और अस्थायी आधार पर अतिरिक्त सवारी डिब्बे भी जोड़े जाते हैं। पिछले दो वर्षों के दौरान स्थायी आधार पर जोड़े गए अतिरिक्त सवारी डिब्बों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	जोड़े गए अतिरिक्त सवारी डिब्बे
2023-24	872
2024-25 (फरवरी 2025 तक)	983

अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रियों के लिए स्थान बढ़ाने और उनके लाभ के लिए, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान एलएचबी सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में लगभग 1,200 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे जोड़े गए हैं। गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों से यात्रा करने वाले यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने 17,000 साधारण श्रेणी/शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना बनाई है।

विभिन्न प्रकार की नियमित रेलगाड़ियों के अलावा, भारतीय रेल यात्रियों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान विशेष रेल सेवाएं भी संचालित करती है। वर्ष

2024 और वर्ष 2025 (फरवरी, 2025 तक) के दौरान परिचालित विशेष रेल सेवाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

आयोजन	रेलगाड़ियों की संख्या	सेवा प्राप्त यात्रियों की संख्या
महाकुंभ-2025	17,340	4.24 करोड़
दुर्गा पूजा/दीपावली/छठ, 2024	7,990	1.1 करोड़
ग्रीष्मावकाश 2024	12,919	1.8 करोड़
होली, 2024	604	8.6 लाख

******